14 शेयर मार्केट में निवेश कैसे करें ?

How to Invest in Share Market ?

किसी कम्पनी का शेयर या सिक्योरिटी, उस कम्पनी के छोटे से छोटे मालिकाना हिस्से को व्यक्त करता है। इसी प्रकार डिबेंचर ऋण पत्र के सबसे छोटे हिस्से को व्यक्त करता है, दोनो कई प्रकार के हो सकतें हैं, एक स्टाक एक्सचेंज बहुत से सदस्यों द्वारा बनाया गया एक एसोसिएशन होता है, जिसकी सहायता से शेयरों की खरीदी बिक्री सरकार द्वारा बनाये गये अधिनियमों (सिक्योरिअी एण्ड कांट्रेक्ट रेगुलेशन एक्ट 1956) के अधीन की जाती है। भारत में अधिकतम व्यवसाय नेशनल स्टाक एक्सचेंज www.nse.india.com व बाम्बे स्टाक एक्सचेंज www.bseindia.com में होता है।

स्टाक मार्केट में उपयोग में आने वाले कुछ प्रचलित शब्द :–

- बुक वेल्यू (Book Value) : प्रारंभ में शेयर सामान्यतया 10 रू. के गुणकों में जारी किए जातें है। परन्तु समय के साथ जैसे जैसे कम्पनी बढ़ती जाती है उसकी प्रति शेयर की कीमत लेजर के हिसाब से बढ़ती जाती है। यह प्रायः वित्तीय वर्श के अन्त में कुल आस्तियों के अनुसार निर्धारित होती है।
- शेयर का बाजार मूल्य (Current market price) : किसी शेयर के जिस मूल्य पर शेयर मार्केट में खरीदी बिक्री होती है उसे उस शेयर का बाजार मूल्य कहतें हैं। यह प्रायः बुक वेल्यू से ज्यादा या कम होता है।
- प्रति शेयर आय (Earning per share) : किसी एक शेयर द्वारा एक वर्ष के दौरान अनुपातिक रूप से अर्जित होने वाली आय। अर्थात् प्रति शेयर आय = शुद्ध आय/शेयरों की कुल संख्या।
- कीमत व आय अनुपात (P/E Ratio) : शेयर का बाजार मूल्य/प्रति शेयर आय
- कीमत व बुक वेल्यू (P/Book Value) = शेयर का बाजार मूल्य/बुक वेल्यू

शेयर मार्केट में निवेश की शुरूआत कैसे करें ?

- नए निवेशकों के लिए शेयर मार्केट में निवेश प्रारंभिक रूप से म्यूचूअल फंड के माध्यम से किया जाना सुरक्षित व फायदेमंद होगा।
- सर्वप्रथम जितनी राशि शेयर मार्केट में निवेश करनी हो उसे कम से कम तीन वर्श के लिए अलग रखें।
- अपने शहर में प्रतिश्ठित संस्थागत शेयर ब्रोकर का चयन करें जैसे – मोती लाल ओसवाल, आई.सी.आई.सी. आई. सुशील फाइनेंस आदि।
- ब्रोकर के पास एक डी–मेट एकाउंट तथा शेयर आपरेटिंग एकांउट खोंलें।
- कम से कम एक शेयर बाजार से संबंधित समाचार पत्र जैसे एकानामिक्स टाईम्स या पत्रिका जैसे दलाल स्ट्रीट/मनी आदि पढ़ना शुरू करें। कम से कम 30 मिनट प्रतिदिन।
- शेयर बाजार से संधित टी.वी. चैनल सी.एन.बी.सी./आवाज/जी बिजनेस टी.वी. कम से कम एक घंटा सुबह नौ से साढ़े नौ बजे के बीच नियमित रूप से देखें।

नए इशू में निवेश कैसे प्रारम्भ करें ?

- उपरोक्त के आधार पर आपको यह जानकारी प्राप्त हो जाएगी कि कौन–कौन से नए इशू बाजार में निवेश हेतु उपलब्ध है।
- इन इशू के बारे में विस्तृत जानकारी वेबसाईट www.moneycontrol.com, www.icicidirect.com से प्राप्त की जा सकती है।
- निवेश करने योग्य इशू का चयन करने के पश्चात उसका फार्म अपने ब्रोकर से प्राप्त करें। तथा इशू में कितने लोगों ने अभी तक पैसा लगाया है कि जानकारी ब्रोकर से या नेशनल स्टाक एक्सचेंज की वेबसाईट से प्राप्त की जा सकती है। अंततः ब्रोकर की राय से निवेश करें।
- शेयर के एलाटमेंट होने तथा शेश राशि के वापस आने में लगभग तीन से चार सप्ताह का समय लगता है। अतः इस दौरान अपने ब्रोकर से संपर्क में रहें। तथा शेयर की लिस्टींग होने वाले दिन ब्रोकर की राय पर बेचने का निर्णय ले सकतें हैं।

सेकेण्डरी मार्केट में निवेश कैसे प्रारंभ करें ?

- ब्रोकर/बिजनेस मैगजीन/बिजनेस टी.वी. चैनल के माध्यम से निवेश योग्य शेयर का चयन करें)
- निवेश से पूर्व उस शेयर के फण्डामेंटल की जांच करें। जैसे – पिछली तिमाही में कम्पनी में अपने बिक्री व मुनाफे में कितनी वृद्धि दर्ज की है। तथा उसका EPS, P/E Ratio तथा उसी ग्रुप के अन्य शेयरों का बाजार भाव कितना चल रहा है। तत्पश्चात सही समय व सही कीमत का अन्दाज लगाते हुए थोड़ा थोड़ा कर अलग अलग शेयरों में निवेश प्रारम्भ करें।
- उपरोक्त कार्यों के लिए समय न हो तो ब्रोकर द्वारा पोर्टफोलियो मैनेजमेंट स्कीम के माध्यम से निवेश करें।

1
Wednesday, August 31, 2016 7:53:40 PM